Dainik Purvoday,23 April 2023

लाइब्रेरी को डिजिटल बनाने की जरूरत : डॉ. बरुवा

डिब्रूगढ़, 22 अप्रैल (वि.सं.)। बदलते वैश्विक परिदृश्य में लाइब्रेरी एवं सूचना सेवा के क्षेत्र में सुधार किए जाने की आवश्यकता है। डिजिटल माध्यम का लाभ लाइब्रेरी में भी उठाया जाना चाहिए। पुस्तकों के प्रति पाठकों, छात्रों एवं ज्ञान पिपासुओं को आग्रही बनाने की चुनौती लाइब्रेरियनों के सामने है। यह बात डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के असमिया विभाग के सेवानिवृत्त प्रोफेसर एवं साहित्यकार डॉ. धीमकांत बरुवा ने डिब्रू महाविद्यालय, डिब्रूगढ़ के सभागार में आयोजित वुमेन्स लाइब्रेरियन एसोसिएशन ऑफ असम के प्रथम अधिवेशन में मुख्य आमंत्रित वक्ता के रूप में अपने संबोधन में कही। डिब्रू महाविद्यालय तथा वुमेन्स लाइब्रेरियन एसोसिएशन ऑफ असम के संयुक्त तत्वावधान में वुमेंस लाइब्रेरियन एसोसिएशन ऑफ असम का प्रथम अधिवेशन आयोजित किया गया। इसमें पूरे राज्य से कॉलेज, विश्वविद्यालय एवं अन्य संस्थाओं से जुड़े लाइब्रेरियनों ने भाग लिया।

इस अवसर पर लाइब्रेरी साइंस विभाग गुवाहाटी के सेवानिवृत्त प्रोफेसर अलका बुढ़ागोहाईं, गुवाहाटी विश्वविद्यालय के डीएलआईएससी प्रमुख सेवानिवृत्त प्रोफेसर तथा आईएएसएलआईसी के अध्यक्ष प्रोफेसर नरेंद्र लहकर, वुमेंस लाइब्रेरियन एसोसिएशन ऑफ असम की अध्यक्ष डॉ ज्योतिका देवी, डिब्रू महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य श्रीमती चंदना गोगोई, अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्षा श्रीमती नन्दिता वैश्य उपस्थित थीं। इस दौरान तिनसुकिया वुमेंस कॉलेज की सेवानिवृत्त लाइब्रेरियन श्रीमती छाया सूत्रधर को लाइफटाइम अचीवमेंट के रूप में शांति दास स्मृति पुरस्कार दिया गया।

सफल कार्यक्रम के लिए आयोजकों को धन्यवाद देते हुए प्रोफेसर नरेंद्र लहकर ने कहा कि लाइब्रेरियन की भूमिका आज बढ़ गई है। महिला लाइब्रेरियनों के सामने चुनौती है कि वे पुरुष लाइब्रेरियन से कर्तव्यों के पालन में कतई पीछे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय कूड़ेदान अथवा डंपिंग ग्राउंड नहीं है कि उलजलूल किताबों से भर दिया जाए। यह बात समझनी होगी। उन्हें लाइब्रेरी स्किल्स विकसित करने होंगे और यह सब आपके व्यवहार में छलकना चाहिए। वहीं लाइब्रेरी साइंस विभाग गगुहाटी के सेवानिवृत्त प्रोफेसर अलका बुढ़ागोहाईं ने कहा कि मनुष्य बनना चाहते हैं, इस जीवन को सार्थक बना कर जीना चाहते हैं तो आपको पुस्तकें पढ़नी होंगी। पुस्तक पढ़ने की प्रवृत्ति जगानी होगी। अधिवेशन में मुख्य अतिथि प्रोफेसर धीमकांत बरुवा ने डॉ. मौसमी दत्त के साहित्य संस्कृति संबंधी प्रबंध संकलन पुस्तक का विमोचन किया, जबकि डिब्रू महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य श्रीमती चन्दना गोगोई ने नन्दिता वैश्य, डॉ मौसुमी दत्त तथा दीपिका दास द्वारा संपादित पुस्तक *प्रज्ञानन* का विमोचन किया। डॉ. अदिति बरुवा, प्रो. प्रशांत बोरा ने बरगीत प्रस्तुत किया। प्रभारी प्राचार्य ने महाविद्यालय की ओर से आमंत्रित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। जबकि वुमेन्स लाइब्रेरियन असोसिएशन ऑफ असम की अध्यक्षा डॉ. ज्योतिका देवी ने अधिवेशन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।